International Journal of Education and Science Research Review
E-ISSN 2348-6457
Volume-10, Issue-5 Sep - Oct – 2023
P-ISSN 2349-1817
www.ijesrr.org
Email- editor@ijesrr.org

"अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा और चिंता के स्तर पर एक अध्ययन"

Mehrunisha, Research Scholar, Department of Education, Monad University
Dr. Pawan Kumar Sharma, Assistant Professor, Department of Education, Monad University

सारांश

शिक्षा मनुष्य के संबंध में एक प्रक्रिया और प्रकार की गतिविधि है। यह छात्रों में अपने पड़ोसी वातावरण को नियंत्रित करने और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने की सभी क्षमताओं को विकसित करने का एक सतत प्रयास है। हालाँकि शिक्षा मानव जीवन का एक हिस्सा है, यह तब तक मदद नहीं कर सकती जब तक कि उनके पास आवश्यक मात्रा में शैक्षिक आकांक्षाएँ न हों। जीवन के सभी चरणों में व्यक्तियों की आकांक्षाएँ होती हैं, जिससे लोग अपनी आत्म–वृद्धि के लिए प्रयास करते हैं। तो इस प्रक्रिया में कई मनोवैज्ञानिक पहलू व्यक्तिगत आकांक्षा पर प्रभाव डालते हैं। शैक्षिक आकांक्षा रखते हुए प्रशिक्षु अपनी शैक्षिक आकांक्षाओं के उस लक्ष्य तक पहुंचने के प्रति आंतरिक भय महसूस कर सकते हैं। उस छुपे हुए डर को चिंता भी कहा जाता है। यह एक फैली हुई अवस्था है, जो भविष्य में प्रतिकूल या हानिकारक घटनाओं की संभावित उपस्थिति के बारे में एक महत्वपूर्ण डिग्री की आशंका से चिह्नित एक अप्रिय भावनात्मक अनुभव की विशेषता है। चिंता एक सामान्य मानवीय भावना है जिसका अनुभव हर कोई कभी–कभी करता है। बहुत से लोग कार्यस्थल पर किसी समस्या का सामना करने पर, परीक्षा देने से पहले, या कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले चिंतित या घबराहट महसूस करते हैं। हालाँकि, चिंता विकार अलग हैं। वे इतना कष्ट पैदा कर सकते हैं कि यह किसी व्यक्ति की सामान्य जीवन जीने की क्षमता में, यहां तक कि शिक्षक प्रशिक्षु के जीवन में भी हस्तक्षेप करता है। इस तकनीकी युग में भी शिक्षक और विद्यार्थियों में मनोवैज्ञानिक असंतुलन अधिक है। ताकि इस वर्तमान अध्ययन अनुसंधान में इस बात पर अधिक ध्यान दिया जा सके कि अमरोहा जिले, उत्तर प्रदे"ा, भारत के शिक्षक प्रशिक्षुओं के प्रशिक्षण जीवन में चिंता उनकी शैक्षिक आकांक्षा पर कैसे प्रभाव डालती है।

मुख्य शब्दः शैक्षिक आकांक्षाएँ, छिपी हुई भावनाएँ, चिंता, तकनीकी युग।

1. परिचय

शिक्षा सभी मानव समाजों की विशेषता वाली एक सतत विशेषता है। व्यापक अर्थ में इसका उद्देश्य बच्चे के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। दूसरे शब्दों में शिक्षा का उद्देश्य संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोप्रेरणा क्षेत्रों का सामंजस्यपूर्ण विकास करना है। ऐसी कई एजेंसियां हैं जो उक्त लक्ष्य को प्राप्त करने में विभिन्न चरणों और विभिन्न स्तरों पर योगदान देती हैं।

शिक्षा मनुष्य के संबंध में एक प्रक्रिया और प्रकार की गतिविधि है। यह छात्रों में अपने पड़ोसी वातावरण को नियंत्रित करने और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने की सभी क्षमताओं को विकसित करने का एक सतत प्रयास है। हालाँकि

शिक्षा मानव जीवन का एक हिस्सा है, यह तब तक मदद नहीं कर सकती जब तक कि उनके पास आवश्यक मात्रा में शैक्षिक आकांक्षाएँ न हों। जीवन के सभी चरणों में व्यक्तियों की आकांक्षाएँ होती हैं, जिससे लोग अपनी आत्म–वृद्धि के लिए प्रयास करते हैं

विद्यार्थी काल की आकांक्षाएँ उनके व्यवहार को प्रभावित करती हैं। छात्रों की आकांक्षा एक शब्द है जिसका प्रयोग शिक्षा में अक्सर किया जाता है। प्रारंभिक शोध ने हमें उस आकांक्षा को हासिल करने और सुधार करने की इच्छा की अभिव्यक्ति के रूप में समझने में मदद की। आकांक्षा क्रियात्मक रूप से छात्र की भविष्य के लिए लक्ष्यों को पहचानने और निर्धारित करने की क्षमता के रूप में हो सकती है, जबकि उन लक्ष्यों की दिशा में काम करने के लिए वर्तमान में सांस ले रही है। यह देखा गया है कि छात्रों की आकांक्षा ही एकमात्र ऐसी चीज़ है जो भविष्य में उसकी प्रेरणा (प्रेरणा) के घटकों (महत्वाकांक्षाओं) को जोड़ती है। किसी व्यक्ति की आकांक्षा का स्तर न केवल उसे दर्शाता है कि वह किसी विशेष क्षण में कैसा है, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वह भविष्य में उसी समस्या में रहना चाहेगा। शैक्षिक आकांक्षा या व्यावसायिक विकल्प शब्द गुणों के ज्ञान पर आधारित है।

किसी व्यक्ति की आकांक्षा का स्तर उसके करियर में एक महत्वपूर्ण प्रेरक कारक है। आकांक्षा का स्तर आमतौर पर दो प्रकार के कारकों से प्रभावित होता है। वे हैं: (i) पर्यावरणीय कारक और (ii) व्यक्तिगत कारक। पर्यावरणीय कारकों में माता–पिता की महत्वाकांक्षाएं, सामाजिक अपेक्षाएं, साथियों का दबाव, सामाजिक मूल्य, प्रतिस्पर्धा, समूह एकजुटता आदि जैसे निर्धारक शामिल हैं। दूसरी ओर, जैसे–जैसे बच्चा बड़ा होता है और अपने बारे में अधिक जागरूक हो जाता है, व्यक्तिगत कारक उसकी आकांक्षा के स्तर को निर्धारित करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। क्षमताएं और रुचियां। इन व्यक्तिगत कारकों में निर्धारक इच्छाएँ, व्यक्तित्व, पिछले अनुभव, मूल्य, रुचियाँ, लिंग और सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि शामिल हैं।

1.1 शैक्षिक आकांक्षा

आकांक्षा के स्तर की अवधारणा सबसे पहले डेम्बो द्वारा प्रस्तुत की गई थी। टीम की आकांक्षा को "आत्म–सम्मान से जुड़े संदर्भ के फ्रेम के रूप में परिभाषित किया गया है, जिसके संदर्भ में व्यक्ति सफलता या विफलता की भावना का अनुभव करता है।"

शैक्षिक आकांक्षा उच्च उपलब्धि की तीव्र इच्छा है जो ऐसी इच्छा का उद्देश्य है; एक महत्वाकांक्षा, सीखने की उत्सुकता। आकांक्षा का स्तर वह डिग्री है जिस तक व्यक्ति अपने शारीरिक और मानसिक गुणों के संबंध में और अपने वातावरण के अनुसार यथार्थवादी रूप से अपने लक्ष्य निर्धारित करता है, प्रत्येक समाज में शिक्षा की आकांक्षा और सफलता कुछ हद तक सामाजिक कारकों से प्रभावित होती है।

शिक्षा आकांक्षा लक्ष्य को गहराई से साकार करना है। स्कूल का प्रणालीगत और निरंतर पुनर्गठन। यह एक महत्वाकांक्षा की प्रबल इच्छा है; उपलब्धि। शैक्षिक आकांक्षा को आजीवन सीखने की प्रक्रिया में शैक्षिक भागीदारी को व्यापक बनाने के लिए एक प्रमुख रणनीति के रूप में पहचाना गया है।

आकांक्षा का अर्थ है स्वयं या अपनी वर्तमान स्थिति से ऊंचे किसी लक्ष्य की लालसा और प्रयास करना जो महत्वाकांक्षा से भिन्न है, जो शक्ति का एक विशेष सम्मान प्राप्त करने की उत्सुकता या प्रबल इच्छा है। महत्वाकांक्षा एक दीर्घकालिक उपलब्धि है जो स्वयं परिणाम (परिणाम) से प्रेरित होती है और संतुष्टि समाज द्वारा मान्यता और सराहना से प्राप्त होती है: जबकि आकांक्षा के मनोवैज्ञानिक उद्देश्य में, प्रेरणा में सुधार होता है क्योंकि यह किसी की अपनी वर्तमान स्थिति की परवाह किए बिना किसी और चीज पर जोर देती है। सामाजिक सराहना की.

1.2 चिंता

आधुनिक समय में गलाकाट प्रतिस्पर्धा और बढ़ते उपभोक्तावाद के कारण तनाव, चिंता, निराशा का युग है। इस युग में जनसंख्या विस्फोट और बदलते आयामों ने मानव जीवन के सामाजिक–आर्थिक परिदृश्य में तेजी से बदलाव लाया है। इन कमियों ने अलगाव और असुरक्षा की भावना, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विश्वसनीय गर्मजोशी की कमी, अत्यधिक सुरक्षा, वास्तविक मार्गदर्शन की कमी, अपमानजनक रवैया, अन्याय, भेदभाव, वादा पूरा न करना इत्यादि को जन्म दिया। उपरोक्त स्थितियाँ बढ़ती हैं

तनाव और संघर्ष. इन दोनों की अति से अहंकार की समस्या उत्पन्न होती है। इससे व्यक्ति का व्यक्तित्व विकृत हो जाता है। इन सबके कारण मानव मन में तनाव, चिंता और अज्ञात भय पैदा हो गया है

1.3 अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व

हम इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि शिक्षा विकास का सबसे महत्वपूर्ण इनपुट है। किसी भी देश की समग्र प्रगति उसकी शिक्षा में सुधार पर निर्भर करती है। इसलिए समाज की शैक्षिक प्रक्रिया में माता–पिता, शिक्षकों और सबसे बढ़कर समुदाय की अधिक से अधिक और सक्रिय भागीदारी को समझना आवश्यक है

हम यह भी अनुशंसा करते हैं कि बेहतर ढंग से समझने के लिए अनुसंधान शुरू किया जाए: समाज में विभिन्न समूहों (महिलाएं, दीर्घकालिक स्थितियों वाले लोग, वृद्ध लोग, काले और अल्पसंख्यक जातीय समुदायों के लोग) के लिए चिंता की प्रकृति और समझ, और क्या वर्तमान दृष्टिकोण और हस्तक्षेप कर सकते हैं विशिष्ट आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए पाया जाना चाहिए। बेरोजगारी, वित्तीय संकट और चिंता के बीच संबंध। कार्य और पेंशन विभाग को उन लोगों को कार्यबल से हाशिए पर जाने से रोकने के लिए रणनीति विकसित करनी चाहिए जो काम नहीं कर रहे हैं। विकलांगता के कारण काम करने में असमर्थ लोगों के लिए सामाजिक कल्याण तक पहुँचने की प्रक्रियाओं का चिंता स्तरों पर उनके प्रभाव के लिए मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

2. वर्तमान अध्ययन के उद्देश्य

अध्ययन के मुख्य उद्देश्य हैं –:

1) अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षाओं के स्तर का अध्ययन करना।

2) अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता के स्तर का अध्ययन करना।

3. वर्तमान अध्ययन के चर

उपरोक्त परिकल्पना को ध्यान में रखते हुए, साहित्य की समीक्षा और विषय विशेषज्ञों के साथ चर्चा के आधार पर वर्तमान अध्ययन के लिए निम्नलिखित चर का चयन किया गया। वर्तमान अध्ययन अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा और चिंता के बीच संबंध है

1) मुख्य चर

- शैक्षिक आकांक्षा
- चिंता

2) पृष्ठभूमि चर

- लिंग (पुरुष और महिला)
- कॉलेजों के प्रकार (सरकारी, निजी सहायता प्राप्त, और निजी गैर सहायता प्राप्त)

4. कार्यप्रणाली

इस अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा और चिंता के स्तर की जांच करना था। इस अध्ययन के लिए सबसे प्रासंगिक और उपयुक्त तरीकों में से एक मात्रात्मक वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि है। इसलिए, शोधकर्ता ने सांख्यिकीय सर्वेक्षण के माध्यम से यह अध्ययन किया है, विश्लेषण मात्रात्मक तकनीक के आधार पर किया जाता है।

4.1 वर्तमान अध्ययन का डिज़ाइन

वर्तमान अध्ययन का मुख्य उद्देश्य अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा और चिंता के स्तर की जांच करना है। इसलिए मात्रात्मक अनुसंधान प्रशासित किया गया था और अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण विधि द्वारा किया गया था।

4.2 कुल जनसंख्या का विवरण

वर्तमान अध्ययन के लिए परिभाषित जनसंख्या में सरकारी, निजी सहायता प्राप्त और निजी गैर सहायता प्राप्त बी.एड. के छात्र शामिल हैं।

4.3 नमूनाकरण तकनीकों का उपयोग किया गया

इस वर्तमान अध्ययन में नमूने में विभिन्न बी.एड. के शिक्षक प्रशिक्षु शामिल होंगे। अमरोहा जिले में स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण का उपयोग करके कॉलेजों का चयन किया गया। अध्ययन के लिए नमूना आनुपातिक स्तरीकृत यादृच्छिक नमूनाकरण तकनीक का उपयोग करके चुना गया था। नमूने का अनुपात डेरिल डब्ल्यू मॉर्गन की तालिका के अनुसार

चुना गया था। मॉर्गन की तालिका के अनुसार 13 बी.एड. कॉलेजों की पहचान की गई और शोधकर्ता ने 15 बी.एड. का चयन किया।

5. डेटा का विश्लेषण और विवेचन

तालिका 5.1 अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा के स्तर को दर्शाती है

क्रमांक	शैक्षिक आकांक्षा का स्तर	N	%
1	उच्च (एसडी + माध्य से ऊपर)	43	17.8
2	निम्न (एसडी + माध्य से नीचे)	199	82.2
	कुल	242	100

तालिका 5.1 से पता चलता है कि अमरोहा जिले के 242 में से 17.8% (43) शिक्षक प्रशिक्षुओं की शैक्षिक आकांक्षा उच्च स्तर की है, जबकि अमरोहा जिले के 242 में से 82.2% (199) शिक्षक प्रशिक्षुओं की शैक्षिक आकांक्षा कम है। इसका मतलब यह है कि अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं में निम्न स्तर की शैक्षिक आकांक्षा वाले छात्रों का प्रतिशत (82.2%) अधिक है।

यह आंकड़ा दर्शाता है कि अमरोहा जिले के 17.8% शिक्षक प्रशिक्षुओं की शैक्षिक आकांक्षा उच्च स्तर की है, जबकि अमरोहा जिले के 82.2% शिक्षक प्रशिक्षुओं की शैक्षिक आकांक्षा उच्च स्तर की है। शैक्षिक आकांक्षा का स्तर निम्न है। इसका मतलब यह है कि अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं में निम्न स्तर की शैक्षिक आकांक्षा वाले छात्रों का प्रतिशत (82.2%) अधिक है।

तालिका 5.2 अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता के स्तर को दर्शाती है।

क्रमांक	चिंता का स्तर	N	%
1	उच्च (एसडी + माध्य से ऊपर)	30	12.4
2	निम्न (एसडी + माध्य से नीचे)	212	87.6
	कुल	242	100

यह आंकड़ा दर्शाता है कि अमरोहा जिले के 12.4% शिक्षक प्रशिक्षुओं में चिंता का स्तर उच्च है जबकि अमरोहा जिले के 87.6% शिक्षक प्रशिक्षुओं में चिंता का स्तर निम्न है। इसका मतलब यह है कि अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं में निम्न स्तर की चिंता वाले छात्रों का प्रतिशत (87.6%) अधिक है।

तालिका 5.3 शैक्षिक आकांक्षा के संदभ में अमरोहा जिले के पुरुष और महिला शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच अंतर को दर्शाती है।

क्रमांक	लिंग	N	Mean	SD	t-value	df	टिप्पणी
1	पुरुष	86	12.00	5.71	5.94	240	अस्वीकार कर दिया
2	महिला	156	16.28	5.15			

तालिका 5.3 से पता चलता है कि प्राप्त टी–मूल्य 5.94 स्वतंत्रता की डिग्री 240 के लिए 0.05 महत्वपूर्ण स्तर पर तालिका मूल्य 1.96 से अधिक है। इसलिए शून्य परिकल्पना खारिज कर दी गई है। इसका मतलब यह है कि शैक्षिक आकांक्षा के स्तर के संबंध में अमरोहा जिले के पुरुष और महिला शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है। इसलिए शोधकर्ता ने वैकल्पिक शून्य परिकल्पना का निर्माण किया "अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा के संदर्भ में पुरुष और महिला के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

यह आंकड़ा अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा के संबंध में पुरुष और महिला के बीच अंतर को दर्शाता है। इसका मतलब है कि पुरुष छात्रों का औसत 12 है जबकि महिला छात्रों का औसत 16.28 है। शून्य परिकल्पना अस्वीकृत की जाती है। इसलिए शोधकर्ता ने निष्कर्ष निकाला कि "अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा के संदर्भ में पुरुष और महिला के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

तालिका 5.4 शैक्षिक आकांक्षा के संदर्भ में अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शहरी और ग्रामीण के बीच अंतर दिखाने वाली तालिका

क्रमांक	इलाका	N	Mean	SD	t-value	Df	टिप्पणी
1	शहरी	186	14.62	5.99	0.717	240	अस्वीकार कर दिया
2	ग्रामीण	56	15.25	4.77			

तालिका 5.4 दर्शाती है कि प्राप्त टी–मूल्य 0.717 स्वतंत्रता की डिग्री के लिए 0.05 महत्वपूर्ण स्तर पर तालिका मूल्य 1.96 से कम है 240 शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। इसका मतलब यह है कि बीएड के शहरी और ग्रामीण छात्रों के

बीच सांख्यिकीय रूप से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। महाविद्यालयों में बी.एड. वर्ष के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षा के स्तर के संबंध में। अमरोहा शहर में कॉलेज। इसलिए शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। यह आंकड़ा अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा के स्तर के संबंध में शहरी और ग्रामीण के बीच अंतर दिखाता है। इसका मतलब यह है कि शहरी छात्रों का औसत 14.62 है जबकि ग्रामीण छात्रों का औसत 15.25 है। शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। इसका मतलब यह है कि अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा के स्तर के संबंध में शहरी और ग्रामीण छात्रों के बीच कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है।

तालिका –5.5 शैक्षिक आकांक्षा के संदर्भ में अमरोहा जिले के सरकारी, निजी सहायता प्राप्त और निजी गैर सहायता प्राप्त कॉलेज शिक्षक प्रशिक्षुओं के औसत स्कोर

क्रमांक	कॉलेज के प्रकार	N	Mean	SD	f	df	टिप्पणी
1	सरकार	78	15.13	6.012	0.571	239	स्वीकृत 0.05
2	निजी सहायता प्राप्त	70	15.03	5.873			
3	निजी सहायता प्राप्त	94	14.28	5.387			

तालिका 5.5 से पता चलता है कि प्राप्त एफ–मान 0.571 एफ–तालिका मूल्य 2.60 से कम है, शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। इसका मतलब यह है कि बी.एड. वर्ष के छात्रों के बीच शैक्षिक आकांक्षा के स्तर के संबंध में स्कूलों के प्रकार के बीच कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। अमरोहा शहर में कॉलेज। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

यह आंकड़ा अमरोहा जिले के शैक्षिक आकांक्षा कॉलेज शिक्षक प्रशिक्षुओं के स्तर के संबंध में स्कूलों के प्रकार के बीच अंतर दिखाता है। इससे पता चलता है कि सरकारी कॉलेजों के छात्रों का औसत 15.13 है, निजी सहायता प्राप्त कॉलेजों के छात्रों का औसत 15.03 है और निजी गैर–सहायता प्राप्त कॉलेजों के छात्रों का औसत 14.03 है। इसका मतलब यह है कि अमरोहा जिले के शैक्षिक आकांक्षा कॉलेज शिक्षक प्रशिक्षुओं के स्तर के संबंध में कॉलेजों के प्रकार के बीच कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है।

तालिका 5.6 चिंता के संदर्भ में अमरोहा जिले के पुरुष और शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच अंतर

क्रमांक	लिंग	N	Mean	SD	t-value	Df	टिप्पणी
1	पुरुष	86	37.12	18.14	7.24	240	अस्वीकार कर दिया
2	महिला	156	53.54	14.21			

तालिका 5.6 से पता चलता है कि प्राप्त टी–मान 7.24, टी–तालिका चित्र 1.96 से अधिक है, पुल परिकल्पना खारिज कर दी गई है। इसका मतलब यह है कि चिंता के स्तर के संबंध में अमरोहा जिले के पुरुष और महिला शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है। इसलिए शोधकर्ता ने वैकल्पिक शून्य परिकल्पना का निर्माण किया "अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता के संदर्भ में पुरुष और महिला के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

यह आंकड़ा अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता के स्तर के संबंध में पुरुष और महिला के बीच अंतर को दर्शाता है। इससे पता चलता है कि पुरुष छात्रों का माध्य 38.12 है जबकि महिला छात्रों का माध्य 53.54 है। अतः शून्य परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। इसका मतलब यह है कि चिंता के स्तर के संबंध में अमरोहा जिले के पुरुष और महिला शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है। इसलिए शोधकर्ता ने वैकल्पिक शून्य परिकल्पना का निर्माण किया "अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता के संदर्भ में पुरुष और महिला के बीच महत्वपूर्ण अंतर है"

तालिका 5.7 चिंता के संदर्भ में अमरोहा जिले के शहरी और ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच अंतर

क्रमांक	इलाका	N	Mean	SD	t-value	df	टिप्पणी
1	शहरी	186	46.83	18.19	1.973	240	अस्वीकार कर दिया
2	ग्रामीण	56	52.04	13.95			

तालिका 5.7 से पता चलता है कि प्राप्त टी–मान 1.973, टी–तालिका चित्र 1.96 से अधिक है, शून्य परिकल्पना खारिज कर दी गई है। इसका मतलब यह है कि चिंता के स्तर के संबंध में अमरोहा जिले के शहरी और ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है। इसलिए शोधकर्ता ने वैकल्पिक शून्य परिकल्पना का निर्माण किया "चिंता के संदर्भ में अमरोहा जिले के शहरी और ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षुओं के छात्रों के बीच महत्वपूर्ण अंतर है।

यह आंकड़ा चिंता के स्तर के संबंध में अमरोहा जिले के शहरी और ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच अंतर दिखाता है। इससे पता चलता है कि शहरी छात्रों का औसत 46.83 है जबकि ग्रामीण छात्रों का औसत 52.04 है, शून्य परिकल्पना खारिज कर दी गई है। इसका मतलब यह है कि चिंता के स्तर के संबंध में अमरोहा जिले के शहरी और ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर है। इसलिए शोधकर्ता ने वैकल्पिक शून्य परिकल्पना का निर्माण किया "चिंता के संदर्भ में अमरोहा जिले के शहरी और ग्रामीण शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच महत्वपूर्ण अंतर है"।

तालिका 5.8 अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता के संदर्भ में सरकारी, निजी सहायता प्राप्त और निजी गैर सहायता प्राप्त के औसत स्कोर

क्रमांक	कॉलेज के प्रकार	N	Mean	SD	f	df	टिप्पणी

1	सरकार	78	49.28	18.05	1.037	239	स्वीकृत
2	निजी सहायता प्राप्त	70	49.36	17.00			
3	निजी सहायता रहित	94	46.01	17.17			

तालिका 5.8 दर्शाती है कि प्राप्त एफ–मान 1.037 एफ–तालिका मान 2.60 से कम है, शून्य परिकल्पना स्वीकार की जाती है। इसका मतलब यह है कि अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच चिंता के स्तर के संबंध में स्कूलों के प्रकार के बीच कोई सांख्यिकीय महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत की जाती है। अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के संदर्भ में शैक्षिक आकांक्षा के स्तर और चिंता के बीच कोई महत्वपूर्ण संबंध नहीं है।

तालिका–5.9 अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा और चिंता के बीच संबंध दर्शाती है।

क्रमांक	चर	N	R-value	टिप्पणी
1	शैक्षिक आकांक्षाएँ	242	0.889	महत्वपूर्ण संबंध
2	चिंता	242		

तालिका से पता चलता है कि प्राप्त सह–कुशल सहसंबंध आर–मान 0.889 सहसंबंध तालिका की (+0.80 से 0.099) की सीमा में है। इसलिए, अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा और चिंता के बीच बहुत अधिक संबंध है। इसलिए वैकल्पिक परिकल्पना स्वीकार की जाएगी "अमरोहा जिले के शिक्षक प्रशिक्षुओं के बीच शैक्षिक आकांक्षा के स्तर और चिंता के बीच महत्वपूर्ण संबंध है"।

5.1 वर्तमान अध्ययन के प्रमुख निष्कर्षः

डेटा की गणना और विश्लेषण माध्य, मानक विचलन और टी–टेस्ट, वन–वे एनोवा और पियर्सन के सहसंबंध गुणांक जैसे अनुमानात्मक आँकड़ों को नियोजित करके किया गया था। शोधकर्ता ने खुलासा किया कि बी.एड. के 17.8% शिक्षक प्रशिक्षु। अमरोहा जिले के कॉलेजों में शैक्षिक आकांक्षा का उच्च स्तर पाया गया और अधिकांश 82.2% में निम्न स्तर की शैक्षिक आकांक्षा पाई गई। बीएड के 12.4% शिक्षक प्रशिक्षु। अमरोहा जिले के कॉलेजों में उच्च स्तर की चिंता पाई गई और अधिकांश 87.6% में निम्न स्तर की चिंता पाई गई।

6. निष्कर्ष

परिणामों एवं निष्कर्षों के आधार पर वर्तमान अध्ययन के निष्कर्षों के शैक्षिक निहितार्थ निम्नलिखित हैं। वर्तमान अध्ययन ने माता–पिता, शिक्षकों, छात्रों और प्रबंधन के लिए कुछ महत्वपूर्ण और उपयोगी शैक्षिक निहितार्थों का पता लगाया है।

1. भूमिका की अस्पष्टता और संघर्ष को दूर करने के प्रयास में छात्रों को स्पष्ट नौकरी विवरण और अपेक्षा रखने में सक्षम बनाने के लिए स्कूलों और कॉलेजों में कैरियर मार्गदर्शन सेवा की उचित स्थापना।

2. शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करने के लिए शिक्षकों और छात्रों के बीच स्वस्थ संचार स्थापित करें।

3. छात्रों को उनकी आकांक्षाओं के बारे में अधिक जानकारी देने और प्रेरित करने के लिए समुदाय में संसाधन व्यक्ति या रोल मॉडल को नियमित रूप से आमंत्रित करना।

4. चिंताग्रस्त और कम शैक्षिक आकांक्षा वाले छात्रों के उपचारात्मक उपचार के लिए मनोवैज्ञानिक इनपुट पाठ्यक्रम शुरू किए जाने चाहिए।

5. कॉलेज प्रशासकों को चिंता उत्पन्न करने वालों को दूर करने या कम करने के लिए तंत्र स्थापित करना चाहिए और सीखने के लिए मैत्रीपूर्ण और अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना चाहिए।

6. जिन प्रशिक्षुओं की शैक्षिक आकांक्षाएँ उच्च होती हैं, उनके शैक्षिक अवसरों का लाभ उठाने की अधिक संभावना होती है जिससे उन्हें शैक्षणिक सफलता मिल सकती है। इसी तरह, कम शैक्षिक आकांक्षाओं वाले छात्रों द्वारा इन अवसरों का लाभ उठाने की संभावना कम होती है, जिससे उनके भविष्य के शैक्षिक अवसर सीमित हो जाते हैं।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

1. अग्रवाल. जे.सी.(2004)। शैक्षिक मनोविज्ञान की अनिवार्यताएं, यूएसबी प्रकाशक, नया

2. अलेक्जेंडर सुसान (1995)। "किशोर चिंता का एक अध्ययन।" निबंध सार इंटरनेशनल, वॉल्यूम। 56 नंबर 8 पी 2251।

3. झुकना, ए.डब्ल्यू. (1960)। कारक "चिंता" और "विक्षिप्तता" सूची का विश्लेषण करते हैं। जर्नल बेंडिंग, ए.डब्ल्यू. (1960)। परामर्श मनोविज्ञान के आईपीएटी में "सामाजिक वांछनीयता" और "चिंता चर"

4. कैटेल, आर.बी. और शियरर, आई.एच. (1961) विक्षिप्तता और चिंता का अर्थ और माप। न्यूयॉर्कः रोनाल्ड प्रेस.

5. कोट्स, टी.जे. + थोरसन, सी.ई. (1976)। शिक्षक चिंता, सिफ़ारिशों के साथ एक समीक्षा, शैक्षिक अनुसंधान की समीक्षा, 46,159–184।

6. फ्रायड, एस (1949)। अवरोध, लक्षण और चिंता, लंदन, हॉगर्थ प्रेस।

7. गार्डनर, डब्ल्यू. (1940). द जर्नल ऑफ़ साइकोलॉजी के स्तर के कुछ व्यक्तित्व चर का संबंधः अंतःविषय और व्यावहारिक, अनुप्रयुक्त, खंड 9(1), पी–191–206, डीओआईः 10, 1080/00223980, 1940, 9917686।

8. अमरोहा के संबंध में नाइजीरिया की शैक्षिक आकांक्षा विकल्प, मार्टिन और स्रूफ, (1970)। चिंता और तंत्रिका संबंधी विकार. न्यूयॉर्कः विली.). चिंता का अर्थ, न्यूयॉर्क; रोनाल्ड, राम एसोसिएशन गोयल, एस.पी. (2004)। सामुदायिक मार्गदर्शन और अनुसंधान जर्नल पर लिंग, घर और पर्यावरण का प्रभाव, 21(1), 77–81।

9. जिमोह अबिओला (2014)। ओन्डो राज्य के इंडो वेस्ट स्थानीय सरकारी क्षेत्र में व्यावसायिक महिला माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों पर शैक्षिक आकांक्षा का प्रभाव, यूरोपीय वैज्ञानिक पत्रिका।

10. लक्ष्मी डी. यू. (2005)। "प्राथमिक विद्यालय के शिक्षकों के तनाव, चिंता और बर्नआउट प्रदर्शन का अध्ययन" अप्रकाशित पीएचडी। मानसगंगोत्री विश्वविद्यालय, अमरोहा में थीसिस।

11. आर. (1950 नागराजन.के., श्रीनिवासन. आर. (2010)। साइकोलॉजी ऑफ लर्निंग एंड ह्यूमन पब्लिशर्स, चेन्नई प्राथमिक विद्यालय के छात्रों का विकास और शैक्षिक आकांक्षा, मनोविज्ञानी प्रदीप कुमार का जर्नल। टी + तलावर एम.एस. (2009)। भारत के शिक्षक अनुपस्थिति के बीच संबंध 39(1), आगरा।

12. प्रदीप कुमार. टी + तलावर एम.एस.(2009)। प्राथमिक विद्यालय के छात्रों की शिक्षण प्रतिबद्धता और शैक्षिक आकांक्षा के बीच सहसंबंध, एडुट्रैक एजुकेशनल मैगजीन 9(5), हैदराबाद।

13. राजेश वी.आर. एवं चन्द्रशेखरन वी.सी. (2014)। हाई स्कूल के छात्रों की शैक्षिक आकांक्षाएँ, पीएच.डी. रिसर्च स्कॉलर, शिक्षा विभाग, शिक्षा में उन्नत अध्ययन संस्थान, सैदापेट, चेन्नईः खंडः 4/अंकः12/दिसंबर 2014/ आईएसएसएन–2249–555एक्स।

14. रूबिक जे. (1970). चिंता और उच्च तंत्रिका कार्य। एम.एच.लेडर (एड.) स्टडीज ऑफ एंग्जायटी, लंदन में। टेंपलर ए. जे. (1972) चिंता और बहिर्मुखता अंतर्मुखता के बीच संबंध का एक अध्ययनः

15. यास्मीन गनी खान, (2009)। शैक्षिक आकांक्षा परीक्षण के स्तर के लिए मैनुअल। कचेरी घाट, आगराः एच.पी. भार्गव बुक हाउस.